

কৃষ্ণ

নারদ শোন কথা আমার এই ব্যথা
সারিতে পারে পেলে ভক্ত পদরঞ্জঃ ॥

ধরার কোনু কোণে দেখ গো গোপনে
লুকায়ে আছে সেই ভক্ত আজও ॥

নারদ

এ কী হোল দায় কেহ না দিতে চায়
চরণ ধূলি মোর কৃষ্ণচাঁদেরে ।
সবে কহে মোরে তুলিবো না ওরে
ও পাপ কথা মোর কর্ণ কুহরে ॥

ত্রজবাসী ভাই বলো কোথা যাই
কেমনে বাঁচাই কৃষ্ণচাঁদেরে ।
পাপের ভয়েতে কেহ না চাহে দিতে
চরণ ধূলি এই বিপদ মাঝারে ॥

ত্রজবাসী

ভক্ত কিনা আমি জানি না মহামুনি
শুনিনি সে কথা কথনও আজও ।
পাপেরে নাহি ডর' সাহসে ভর কর'
কষ্টে সারাইতে দিলাম পদরঞ্জঃ ॥

(র'টী, ২৫শে জানুয়ারী, ১৯৮৩)

তাল : কাহারবা

	।	০	।	।	০													
II	সা	ৱা	গা	।	গা	গা	।	ন	পা	পা	পা	।	ৱা	ৱা	ৱা	ৱা	I	
	০	না	ৱ	দ	শো	ন	ক	থা	০	আ	মা	ৱ	এ	ত	ব্য	থা		
I	-	সা	ৱা	গা	।	গা	গা	গা	-	গা	পা	মা	।	গা	মা	ৱা	গৱসা	I
	০	সা	বি	তে	পা	রে	পে	লে	০	ভ	ক	ত	প	দ	ব	জঃ০		

I	- সী সী সী সী সী সী	- পা পা ধা ধা - ধা ধা
o	ধ রা র কো ন কো গে	o দে খ গো গো o প নে
I	- গা পা মা গা মা রা গা	- সা রা গা গা - গা গা
o	লু কা ঘে আ ছে সে ই	o ভ ক ত আ o জ ত
II	- সা রা গা গা - গা -	পমা গরা সরা গমা গা - - -
o	এ কি হ ল o দা o	o o o o o o o
I	- সা রা গা ত গা - গা	- পমা গরা সরা গমা গা - -
o	এ কি হ o ল o দা	o o o o o o o
I	- সা রা গা গা - গা গা	- পা পা পা রা রা রা রা
o	এ কি হ ল o দা য	o কে হ না দি তে চা য
I	- সা রা গা গা গা গা গা	- গা পা মা গা মা রা গা
o	চ র ণ থু লি মো র	o ক ষ ণ টা দে রে o
I	- সী সী সী সী - সী সী	- পা পা ধা ধা - ধা ধা
o	স বে ক হে o মো রে	o তু লি ব না o ও রে
I	- গা পা মা গা মা রা গা	- সা রা গা গা - গা গা
o	ও পা প ক থ মো র	o ক র ণ কু o হ রে
I	- সা রা গা গা - গা -	- - - - - ন ন গা
o	এ কি হ ল o দা o	o o o o o o o
II	- সা রা গা গা - গা -	পমা গরা সরা গমা গা - - -
o	অ জ বা সী o ভা o	o o o o o o o
I	- সা রা গা গা গা গা -	পমা গরা সরা গমা গা - - -
o	অ o জ বা সী o ভা o	o o o o o o o
I	- সা রা গা গা - গা গা	- পা পা পা রা - রা রা
o	অ জ বা সী o ভা ট	o ব লো কো থা o যা ট
I	- সী রা গা গা - গা গা	- গা পা মা গা মা রা গা
o	কে ম নে বাঁ o চা ই	o ক ষ ণ টা o দে রে

I -+ सा॒ सा॑ सा॑ | सा॑ -+ सा॒ सा॑ सा॑ | -+ धा॑ धा॑ ना॑ | ना॑ -+ ना॑ ना॑ I
 ० पा॑ पे॑ रे॑ भ॑ ओ॑ ये॑ ते॑ ० के॑ ह॑ ना॑ च॑ हे॑ दि॑ ते॑
 II -+ गा॑ पा॑ मा॑ | गा॑ मा॑ रा॑ गगा॑ | -+ सा॑ रा॑ गा॑ | गा॑ -+ गा॑ गा॑ I
 ० च॑ र॑ ण॑ ध॑ ० लि॑ एहि॑ ० बि॑ प॑ दु॑ र्मा॑ ० रा॑ रे॑
 I -+ सा॑ रा॑ गा॑ | गा॑ -+ गा॑ नी॑ | -+ -+ -+ | -+ -+ ना॑ गा॑ II
 ० अ॑ ज॑ वा॑ स॑ ० भा॑ ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० इ॑
 I -+ सा॑ रा॑ गा॑ | गा॑ गा॑ गा॑ गा॑ | -+ पा॑ पा॑ पा॑ पा॑ | रा॑ रा॑ रा॑ रा॑ I
 ० भ॑ क॑ त॑ कि॑ ना॑ आ॑ मि॑ ० जा॑ नि॑ ना॑ म॑ हा॑ म॑ म॑ नि॑
 II -+ सा॑ रा॑ गा॑ | गा॑ -+ गा॑ गा॑ | ना॑ गा॑ पा॑ ममा॑ | गा॑ मा॑ रा॑ गा॑ }II
 ० श॑ नि॑ नि॑ नि॑ ० मे॑ ० क॑ था॑ ० क॑ थ॑ न॑ न॑ आ॑ ० ज॑ ओ॑
 I -+ सा॑ रा॑ गा॑ | गा॑ गा॑ गा॑ गा॑ | -+ गा॑ मा॑ पा॑ | गा॑ मा॑ रा॑ गरमा॑ II
 ० सा॑ रि॑ ते॑ पा॑ रे॑ पे॑ ले॑ ० भ॑ क॑ त॑ प॑ द॑ र॑ झ॑ ० ०
 II -+ सा॑ सा॑ सा॑ | सा॑ सा॑ सा॑ सा॑ | -+ पा॑ पा॑ धा॑ | धा॑ धा॑ धा॑ धा॑ I
 ० पा॑ पे॑ रे॑ ना॑ हि॑ ड॑ रि॑ ० सा॑ ह॑ से॑ भ॑ र॑ क॑ रि॑
 III -+ गा॑ पा॑ मा॑ | गा॑ मा॑ रा॑ गा॑ | -+ सा॑ रा॑ गा॑ | गा॑ गा॑ गा॑ गा॑ }III
 ० क॑ ष॑ ण॑ सा॑ रा॑ इ॑ ते॑ ० दि॑ ला॑ म॑ प॑ द॑ र॑ झ॑